दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 151
मुरादाबाद
(Monday)
21 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पहले पुलिस की जमीन पर माफिया का कब्जा था, योगी बोले-आज अपराध किया तो समझो डेथ सेंटेंस पर खुद साइन किया

राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने पुलिस विभाग में चयनित 912 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस मौके पर सीएम ने कहा कि पहले पुलिस की ही जमीन पर माफिया का कब्जा था। आज अपराधी को पता है कि अपराध किया तो समझो डेथ सेंटेंस पर खुद साइन कर लिया। राजधानी लखनऊ में रविवार को लोकभवन में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस विभाग के 912 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना समेत अन्य मंत्री व अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की चयन प्रक्रिया के तहत इन अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों में पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय), सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) और सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के पद शामिल हैं। ये सभी चयनित अभ्यर्थी पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं देंगे। भर्तियों में भाई-भतीजावाद हावी था इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले भर्ती प्रक्रिया को लेकर युवाओं में निराशा थी। इसमें बदलाव लाया जा सकता था। भाई-भतीजावाद हावी था। 2017 से पहले जो एप्लीकेंट ही नहीं थे, उनका भी चयन हो जाता था। यानी, जो भर्ती में शामिल ही नहीं हुआ, उसे नौकरी मिल जाती थी। जब हम आए तब इस पर बदलाव किया। ग्रुप सी और डी पर हमने साक्षात्कार की व्यवस्था खत्म कर दी। पहले साक्षात्कार में खेल कर दिया जाता था। हमने इस चरण को ही खत्म कर दिया। एम ने आगे कहा कि सारे पद पहले जैसे ही हैं, सिर्फ काम करने का तरीका बदला है। ऐसा भी नहीं है कि हम गोरखपुर, दिल्ली या बाहर के प्रदेशों से अधिकारी लाकर काम कर रहे हैं। सारा मानवबल वही है। कार्य करने के तरीके में बदलाव आया है। पहले हर दूसरे दिन दंगे होते थे। महीनो-महीनो कफर्यू रहता था। मुजफ्फरनगर में तो छह महीने दंगे होते रहे। कोसीकलां से शुरू होता था दंगा। महाकुंभ में श्रद्धालुओं को गलत बोलने के लिए उकसाया जाता था उन्होंने कहा कि माफिया का काफिला आने पर ज्यूडिशरी के अधिकारियों का भी काफिला रोक दिया जाता था। पहले माफिया निकलता था। आज भला कोई असलहा लहरा सकता है, आज कोई त्योहारों के पहले दंगा कर सकता है। आज यूपी पुलिस ने करके दिखाया है, जो पहले कभी नहीं हुआ था। हमने उपद्रव पूर्ण प्रदेश को उत्सव पूर्ण प्रदेश के रूप में बदला है। महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालु आए। लोग उनसे बोलते थे कुछ तो गलत बोलिए, वो लोग कहते थे खाक कुछ बोले, इतनी अच्छी व्यवस्था है।

2017 से पहले जिनके पास क्षमता थी, वो यूपी से बाहर बेटियों को रखते थे। जिनके पास क्षमता नहीं होती थी, वो घर में ही रखते थे। आज कोई शोहदा बेटी को छेड़ नहीं सकता। उसको अंजाम पता है। यदि वह ऐसी हरकत करता है तो वह अपने डेथ सेंटेंस पर खुद साइन कर रहा है। आज यूपी पुलिस के मॉडल की चर्चा होती है। लोग कहते हैं कि अब दंगा नहीं होता है। सीएम ने सपा पर तंज कसा कि आज हम दंगों की मॉक ड्रिल कराते हैं, ताकि लोग भूल न जाएं। योगी ने सुनाई पुलिस की जमीन पर कब्जे की कहानी- सीएम ने कहा कि यूपी पुलिस के पास आज 60 हजार पुलिसकर्मियों की ट्रेनिंग की क्षमता विकसित हो चुकी है। इतने बड़े राज्य में 10 हजार महिला पुलिसकर्मी नहीं थी, आज यह संख्या 44 हजार से अधिक हो चुकी है। पहले माफिया सरकार का संचालन करते थे। पहले केवल दो फोरेंसिक लैब थी। जब हम फोरेंसिक इंस्टीट्यूट के लिए लैंड खोज रहे थे। तब उस समय के डीजीपी ने कहा पुलिस के पास लैंड तो है लेकिन उस पर माफिया का कब्जा है। हमने कहा पुलिस की लैंड पर कब्जा हो गया। उस समय हमने डीजीपी से कहा कि यदि हम डीजीपी होते तो डंडा मारकर सही कर देते। हमने उस माफिया पर एफआईआर दर्ज कराई। एफआईआर होते ही उसने सरेंडर कर दिया। आज कई जिले ऐसे हैं, जहां पर सर्वाधिक ऊंची बिल्डिंग पुलिस के बैरकों की है। पहले जर्जर बैरकों में कबाड़ के बीच पुलिसकर्मी सोते थे। लखनऊ में बैरक देखने के बाद पुलिसवालों के घोड़े देखने गया तो हमें देखकर घोड़ा ही गिर पड़ा। सोचिए यदि उस पर मैं सवार होता तो उस घोड़े का क्या हाल होता? पहले कॉमन मैन सरकार की प्राथमिकता का हिस्सा नहीं था। आज हर जिले में पुलिस लाइन हैं। पहले पीएसी की 34 कंपनियां समाप्त कर दी गई थीं। हमने उन सभी को फिर खड़ा किया। आज देश में कहीं भी चुनाव होता है तो यूपी पीएसी की मांग होती है। एक लाख नौकरियां देने जा रहे हैं सीएम योगी ने एक बार फिर दोहराया कि अगले छह महीने में एक लाख नौकरियां देने जा रहे हैं। हर सप्ताह नियुक्ति पत्र देने का बड़ा कार्यक्रम होता है। आज यूपी उन राज्यों में शामिल है जो कह सकता है कि वह रेवेन्यू सरप्लस है। हमने 9.5 साल में 9.5 लाख युवाओं को नौकरी दी है। आज यूपी के नागरिकों के सामने पहचान का संकट नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी पर बरसे प्रधान: सिस्टम बनाम छात्र को सियासी नैरेटिव बताया, योजनाओं-आंकड़ों के सहारे कितने दावे?

धर्मेंद्र प्रधान ने राहुल गांधी के इंदौर में हुए 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के बाद 'सिस्टम बनाम छात्र' नैरेटिव पर सवाल उठाए हैं। प्रधान ने उच्च शिक्षा के जीईआर में बढ़ोतरी, पीएम-विद्यालक्ष्मी और पीएम-उषा जैसी योजनाओं तथा क्यूएस रैंकिंग में सुधार का हवाला दिया। राहुल गांधी ने कार्यक्रम में छात्रों की शिक्षा, भर्ती और परीक्षा से जुड़ी समस्याओं को उठाया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने राहुल गांधी के इंदौर दौरे और 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर निशाना साधा है। प्रधान ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इंदौर आए और अपने साथ एक माइक और 'सिस्टम बनाम छात्र' का बना-बनाया नैरेटिव लेकर आए। सामने आने वाली हर चुनौती को 'कब्जे वाले सिस्टम' का सबूत बताने की कोशिश की और शिक्षा के जटिल इकोसिस्टम को राजनीतिक नारों तक सीमित कर दिया। उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ी, जीईआर 30 फीसदी हुआ- प्रधान-धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि जब नेता प्रतिपक्ष अपना एजेंडा फैलाने में व्यस्त हैं, तब भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ी है। उन्होंने कहा कि देश में उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात यानी जीईआर 2014-15 में 23.7 फीसदी था, जो 2023-24 में बढ़कर 30 फीसदी हो गया। प्रधान ने इस आंकड़े को उच्च शिक्षा तक पहुंच में हुई बढ़ोतरी के तौर पर सामने रखा।

राज में तोड़ी गई हैं आंबेडकर की सबसे ज्यादा प्रतिमाएं

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश समिति की बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा और आरक्षण और प्रदेश में आंबेडकर प्रतिमाएं तोड़े जाने सहित कई मुद्दों को लेकर भाजपा को घेरा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की सबसे ज्यादा प्रतिमाएं तोड़ी गई हैं। उन्होंने दावा किया कि 72 जिलों में 151 प्रतिमाएं तोड़ी गई हैं। हर साल 15 से ज्यादा प्रतिमाएं इनकी सरकार में तोड़ी गईं। वहीं, बलिया में सबसे ज्यादा मूर्तियों को तोड़ा गया है।उन्होंने पूछा कि इसका गुनहगार कौन है। 14 मामलों में गिरफ्तारी हुई ह।45 में अज्ञात है। 8 में नामजद शिकायत हुई और 84 में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वहीं, सिर्फ 14 मामलों में गिरफ्तारी हुई है। भाजपा के लोग आंबेडकर का सम्मान नहीं करते। अखिलेश यादव सपा प्रदेश समिति की बैठक के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। भाजपा की नीयत आरक्षण के पक्ष में नहीं- अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा आरक्षण के पक्ष में नहीं है। लेटरल इंट्री और आउटसोर्स इसके सबूत हैं। ये लोग पीडीए के अधिकारियों की तैनाती नहीं करते हैं। वहीं, चुनाव संबंधी जिम्मेदारी में तो 10 प्रतिशत भी तैनाती नहीं करते हैं।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम पर बवालः मिमिक्री विवाद के बाद राहुल के बचाव में उतरी कांग्रेस, भाजपा पर साधा निशाना

इंदौर में राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। भाजपा ने इसे आपत्तिजनक बताया, जबकि कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी का बचाव किया।मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखा सियासी संग्राम छिड़ गया है। मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री और टिप्पणियों को लेकर भाजपा के हमलों के बाद अब पूरी कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के बचाव में उतर आई है। कांग्रेस ने न सिर्फ मिमिक्री विवाद पर भाजपा के रवैये को अलोकतांत्रिक बताया, बल्कि यह भी आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस ने मिलकर देश की पूरी शिक्षा व्यवस्था को खोखला कर दिया है। जयराम रमेश का तीखा हमला- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा- राहुल गांधी ने उस सिस्टम का पर्दाफाश कर दिया है जो छात्रों की आवाज दबा रहा है। रमेश ने कहा, यह सिस्टम कौन है? यह भाजपा-आरएसएस के लोग हैं, जिन्होंने देश की शिक्षा, अर्थव्यवस्था, राजनीति और हर संस्था पर कब्जा कर लिया है। इन्होंने शिक्षा व्यवस्था को खोखला और भ्रष्ट बना दिया है, क्योंकि यह सिस्टम छात्रों से डरता है। छात्र सवाल पूछते हैं और जवाबदेही मांगते हैं। अब राहुल गांधी उनके साथ खड़े हैं, इसलिए छात्रों का डर खत्म हो चुका है और उनकी आवाज पूरे देश में गूंज रही है।उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने राहुल गांधी का समर्थन करते हुए भाजपा की असहिष्णुता पर सवाल उठाए। रावत ने कहा- राजनीति में जब आप किसी पद पर होते हैं, तो ऐसी चीजों को स्वाभाविक प्रक्रिया के रूप में स्वीकार करना पड़ता है। भाजपा का यह रवैया- जहां वे ऐसा बर्ताव करते हैं कि मानो उन पर एक मक्खी भी नहीं बैठनी चाहिए बिल्कुल लोकतांत्रिक नहीं है। हाथ रख दिया है। उन्होंने कहा- राहुल गांधी ने दिल की गहराइयों से उस सच्चाई को सामने रखा है कि वाकई यह सरकार सिर्फ अंधभक्तों की सरकार है। यह सरकार केवल अंधभक्तों को चाहती है और केवल उनके भले के लिए काम करती है। इसे न तो युवाओं की चिंता है, न नौजवानों की और न ही छात्रों की। राहुल गांधी ने कार्यक्रम में छात्रों के इसी दर्द को साझा किया था।इंदौर में युवाओं से संवाद करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि भ्रष्ट व्यवस्था छात्रों से डरती है क्योंकि वे सवाल पूछते हैं। यह सिस्टम सवाल पूछने वाले छात्र नहीं बल्कि नफरत फैलाने वाले अंधभक्त चाहता है। राहुल ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, संघ प्रमुख मोहन भागवत और उद्योगपति गौतम अडानी व मुकेश अंबानी विभिन्न स्तरों पर इस व्यवस्था को नियंत्रित कर रहे हैं। क्या है मिमिक्री विवाद का बैकग्राउंड? यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब इंदौर के कार्यक्रम में मंच पर मौजूद मिमिक्री आर्टिस्ट पुलकित मनी ने पीएम मोदी की एक रैली का मजाक उड़ाया, जिसमें पीएम ने एक बुजुर्ग महिला को बैठने के लिए कुर्सी देने को कहा था। भाजपा नेता सीआर केसवन और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इसे बुजुर्ग नारी शक्ति और प्रधानमंत्री की दिवंगत मां का घोर अपमान बताया। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने मंच पर ठहाके लगाकर असंवेदनशीलता दिखाई और नेता प्रतिपक्ष के पद की गरिमा को गिराया है।

बसपा में शामिल होने से पहले ही दीपिका आउट, मायावती ने ईशान आनंद को फिर दी एंट्री

बसपा में शामिल होने से पहले ही दीपिका आउट हो गई हैं। मायावती ने ईशान आनंद को एक बार फिर पार्टी में एंट्री दी है। साथ ही बड़ी जिम्मेदारी देने का एलान किया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने परिवार और पार्टी संगठन को लेकर एक बार फिर बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि आकाश आनंद और उनकी बहन को अब पार्टी की कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही अपने भाई आनंद कुमार के परिवार से केवल ईशान आनंद को ही पार्टी में सम्मानजनक जिम्मेदारी देकर आगे बढ़ाने का एलान किया। मायावती ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपने अनुभवों को ध्यान में रखते हुए नजदीकी रिश्ते-नातों के मोह से ऊपर उठकर काम करने का फैसला किया है। बसपा संस्थापक कांशीराम ने भी अपने रिश्तेदारों को राजनीतिक लाभ देने से दूरी बनाए रखी। अपना जीवन बहुजन समाज के हित के लिए समर्पित किया।आनंद कुमार के आग्रह पर आकाश को राजनीति में आगे बढ़ाया मायावती ने लिखा कि कांशीराम से प्रेरित होकर उन्होंने भी अपना पूरा जीवन बहुजन समाज के लिए समर्पित किया। उनके मुताबिक, एक महिला होने के कारण उन्हें अपने किसी न किसी भाई-बहन को साथ रखना पड़ा। इसी क्रम में उनके छोटे भाई आनंद कुमार लंबे समय से उनकी सेवा में कार्यरत हैं।मायावती ने कहा कि आनंद कुमार के विशेष आग्रह पर उनके बड़े बेटे आकाश आनंद को राजनीति में आगे किया गया। हालांकि, शादी के बाद आकाश आनंद के रवैये और गतिविधियों के कारण उन्हें पार्टी से अलग करना पड़ा। आकाश आनंद अब अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में हैं और उन्हें दोबारा पार्टी में लेना पार्टी के साथ विश्वासघात होगा।आकाश की बहन को भी जिम्मेदारी नहीं देने का फैसला- मायावती ने कहा कि आनंद कुमार के परिवार से किसे पार्टी में आगे किया जाए, इसको लेकर वह पिछले कुछ समय से दुविधा में थीं। अब गंभीर विचार के बाद उन्होंने फैसला लिया है कि परिवार के ऐसे किसी सदस्य को ही आगे किया जाएगा, जो आकाश आनंद के नक्शेकदम पर न चले।उन्होंने यह भी कहा कि आगे चलकर आकाश आनंद की बहन की मदद लेने का सवाल भी उनके सामने था, लेकिन शादी के बाद उनका मामला भी आकाश आनंद जैसा निकला तो यह पार्टी हित में उचित नहीं होगा। इसलिए आकाश आनंद और उनकी बहन को पार्टी की किसी भी जिम्मेदारी से दूर रखा जाएगा और इस फैसले में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। ईशान आनंद को पार्टी में जिम्मेदारी देने की बात- मायावती ने कहा कि आकाश आनंद और उनकी बहन के स्थान पर आनंद कुमार के परिवार से केवल ईशान आनंद को पार्टी में सम्मानजनक जिम्मेदारी देकर आगे किया जाएगा। उन्होंने हालांकि यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में यदि ईशान ने पार्टी विरोधी कोई गंभीर कृत्य किया तो उन्हें भी पार्टी से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में आनंद कुमार के परिवार के किसी अन्य सदस्य को पार्टी की छोटी-बड़ी कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। इसके बजाय पार्टी में कार्यरत दलित वर्ग के किसी मिशनरी और वफादार कार्यकर्ता को आगे बढ़ाने की बात मायावती ने कही।

संपादकीय Editorial

Trump's New 'Tariff Bomb'

The US Congress (Parliament) has passed a new bill imposing sanctions on Russia and Iran. The Senate (equivalent to our Rajya Sabha) had already passed it by a vote of 86-11. Now, on Wednesday, September 16th, US time, the House of Representatives (equivalent to the Lok Sabha) also passed the bill by a vote of 262-159. After President Trump's signature, it will become law. This will enhance the President's constitutional privilege to impose tariffs on any country, ranging from zero to 100 percent. He can also increase or decrease the tariffs. Indeed, with the passage of this bill, President Trump has once again detonated a 'tariff bomb'. However, when President Trump previously imposed arbitrary tariffs on several countries, the US Supreme Court had struck them down, declaring them illegal. Now, even after the new law is enacted, the judiciary can review it, but striking it down will not be easy. The bill references countries subject to 100% tariffs, including India, China, Hungary, Slovakia, Azerbaijan, the United Arab Emirates, Singapore, Kazakhstan, Turkey, and others. Most of these are pro-American or "friendly" countries. The US has consistently considered India a "strategic partner." President Trump calls Prime Minister Modi "Dear Friend" and praises his "greatness." This is public knowledge, and the two leaders have been "hugging" each other. What kind of friendship is this? Friendship, and yet the burden of a 100% tariff...! India could become "irrelevant" in the US market! Why would any customer buy expensive goods? India's exporters of gems, precious stones, jewelry, textiles, and pharmaceuticals would be exhausted! To hell with such friendship and strategic partnership...!

The Indian government should also respond to tariffs with tariffs. Moreover, playing our "trump card," we should clarify that India is currently postponing a trade agreement with the United States in light of Trump's tariffism. India wants to give such an agreement more careful consideration. It's noteworthy that India has signed free trade agreements with 40 countries, a feat no other country has achieved. Tariffs have not been a barrier anywhere. According to the draft of the proposed trade agreement, the United States wants to do up to $500 billion in trade with India. In Indian currency, this would be approximately ?48 lakh crore. Should the United States be allowed to penetrate so deeply into India? In fact, tariffs of up to 100% are a threat, and President Trump wants to use them to exert widespread pressure on Russia and Iran through economic sanctions. His strategy and trade policy is that India and China should not buy crude oil and gas from these two warring countries, or buy them in very limited quantities. The United States trades with Russia for ?56,597 crore. Does Trump not object to this? That trade should also be ended. All of Europe imports gas from Russia. Why did the US abandon it? Trump wants major countries like India and China to buy American oil, because now, combined with Venezuelan oil, the US has become the world's largest oil exporter. China has more or less clearly declared that it will continue to buy oil from Russia and Iran. Despite the war, energy crisis, and disrupted supply chains, Russia is providing the majority of India's crude oil (about 50-55%). Supplies from Iran have also resumed. Therefore, India should also clearly state that, given the country's energy needs and prices, it will continue to buy oil and gas from Russia and Iran. Why should India fear the US and President Trump? Trade between the two countries is worth ?11 lakh crore (about US$132 billion). Now, US exports have increased to around ?87,000 crore. Would Trump want to lose that? However, President Trump cannot force India's arm.

Trump's New 'Tariff Bomb'

The US Congress (Parliament) has passed a new bill imposing sanctions on Russia and Iran. The Senate (equivalent to our Rajya Sabha) had already passed it by a vote of 86-11. Now, on Wednesday, September 16th, US time, the House of Representatives (equivalent to the Lok Sabha) also passed the bill by a vote of 262-159. After President Trump's signature, it will become law. This will enhance the President's constitutional privilege to impose tariffs on any country, ranging from zero to 100 percent. He can also increase or decrease the tariffs. Indeed, with the passage of this bill, President Trump has once again detonated a 'tariff bomb'. However, when President Trump previously imposed arbitrary tariffs on several countries, the US Supreme Court had struck them down, declaring them illegal. Now, even after the new law is enacted, the judiciary can review it, but striking it down will not be easy. The bill references countries subject to 100% tariffs, including India, China, Hungary, Slovakia, Azerbaijan, the United Arab Emirates, Singapore, Kazakhstan, Turkey, and others. Most of these are pro-American or "friendly" countries. The US has consistently considered India a "strategic partner." President Trump calls Prime Minister Modi "Dear Friend" and praises his "greatness." This is public knowledge, and the two leaders have been "hugging" each other. What kind of friendship is this? Friendship, and yet the burden of a 100% tariff...! India could become "irrelevant" in the US market! Why would any customer buy expensive goods? India's exporters of gems, precious stones, jewelry, textiles, and pharmaceuticals would be exhausted! To hell with such friendship and strategic partnership...!

The Indian government should also respond to tariffs with tariffs. Moreover, playing our "trump card," we should clarify that India is currently postponing a trade agreement with the United States in light of Trump's tariffism. India wants to give such an agreement more careful consideration. It's noteworthy that India has signed free trade agreements with 40 countries, a feat no other country has achieved. Tariffs have not been a barrier anywhere. According to the draft of the proposed trade agreement, the United States wants to do up to $500 billion in trade with India. In Indian currency, this would be approximately ?48 lakh crore. Should the United States be allowed to penetrate so deeply into India? In fact, tariffs of up to 100% are a threat, and President Trump wants to use them to exert widespread pressure on Russia and Iran through economic sanctions. His strategy and trade policy is that India and China should not buy crude oil and gas from these two warring countries, or buy them in very limited quantities. The United States trades with Russia for ?56,597 crore. Does Trump not object to this? That trade should also be ended. All of Europe imports gas from Russia. Why did the US abandon it? Trump wants major countries like India and China to buy American oil, because now, combined with Venezuelan oil, the US has become the world's largest oil exporter. China has more or less clearly declared that it will continue to buy oil from Russia and Iran. Despite the war, energy crisis, and disrupted supply chains, Russia is providing the majority of India's crude oil (about 50-55%).

Supplies from Iran have also resumed. Therefore, India should also clearly state that, given the country's energy needs and prices, it will continue to buy oil and gas from Russia and Iran. Why should India fear the US and President Trump? Trade between the two countries is worth ?11 lakh crore (about US$132 billion). Now, US exports have increased to around ?87,000 crore. Would Trump want to lose that? However, President Trump cannot force India's arm by repeatedly announcing tariffs. It's also true that Trump's economic policies have caused turmoil worldwide. The stock market sometimes collapses, sometimes recovers. This uncertain situation has affected many countries due to the stock market crash. Trump himself seems unsure of his course of action. This will include a payment equal to five percent of the total MDR collected. The fee allocation should be clear, and practical difficulties should be addressed through periodic reviews. Citizens should receive free payments, small shopkeepers should receive protection, and the entire system should receive adequate resources for security. This will ensure public trust in UPI will continue to grow.

Strengthening Social Security Shield

The Provident Fund is the assurance that the capital earned through years of hard work will stand by the worker and family in times of need. The salary limit has been increased from ?15,000 to ?25,000. 5.1 million additional workers will be covered under social security. This will promote future financial security and self-reliance. The Central Government has increased the salary limit for mandatory coverage under the Employees' Provident Fund Organization (EPFO) from ?15,000 to ?25,000. This is a significant step towards expanding social security for workers. According to the government, this will bring approximately 5.1 million additional workers under the mandatory social security cover. This will also increase employers' contributions to their employees' provident funds. Upon receiving their salary on the first of the month, a typical worker faces a multitude of needs, such as house rent, rations, children's school fees, electricity and water bills, and other household expenses. His primary concern is to run his household with today's earnings, but a question that comes back to him every month: what will happen tomorrow? If illness strikes, work is affected, or old age sets in, who will support the family? The true meaning of social security is to reduce this uncertainty and give the working person confidence about the future.To understand the need for this change, it's enough to look at the changes that have taken place over the past decade. The current limit for mandatory coverage was set at ?15,000 in 2014. Since then, the size of the Indian economy and the cost of living have increased. The number of workers starting work in the manufacturing, logistics, and service sectors, whose monthly income exceeds ?15,000, has increased. Due to the old limit, a segment of this population was excluded from the scope of mandatory social security. This gap was not only about salary, but also about future security. Even a small difference in the income of two employees working at the same workplace was creating a gap in their social security coverage. The new limit allows a greater number of young and middle-income workers to join the formal social security system. This will broaden the scope of social security and strengthen the institutional foundation for workers' futures.

This change also has a practical aspect. While an employee's contribution to a provident fund may slightly reduce their monthly salary, the fundamental concept of a provident fund is to convert a portion of current income into future financial security. Employer contributions are combined with employee contributions, and over time, this amount becomes a financial support after retirement. Additionally, provisions related to pensions and employee insurance broaden social security. This is where social security expands beyond mere savings and becomes associated with dignity and self-reliance. Workers not only fulfill their family's current needs through their labor; they also want to have a source of support when regular income is limited. In such times, institutional security helps individuals and their families overcome financial difficulties. In this sense, social security is a shared responsibility of the state, employer, and worker, where today's labor forms the foundation for future security. However, expanding social security coverage alone will not be sufficient. It is equally important that workers receive its benefits with ease and dignity. Over the past years, EPFO ??services have expanded with digital means, including the Universal Account Number (UAN), and online services. This has simplified many processes related to provident fund and pensions. Technology is successful only when it simplifies the process for workers.

As more workers become part of the formal economy, the need for institutional arrangements that secure their future beyond their current employment will increase. Provident fund funds are not just a deposit, but a guarantee that years of hard work will stand by workers and their families in times of need. A country's economic progress cannot be measured solely by GDP, new factories, or investment. It must also be assessed by the level of security and stability achieved in the lives of those who contribute to that progress. Economic development and social security are complementary. When workers' futures are institutionally protected, the relationship between dignity of labor and economic development is strengthened. The importance of raising the wage threshold to ?25,000 lies in this broader context. about their future. The value of hard-earned money is not limited to running a household today. A portion of it should also be for the future, when age, illness, or other changes alter the course of life. Social security is the reward for today's hard work.

होमगार्ड भर्ती में दौड़ बनी चुनौती: पांच दिन में 17 अभ्यर्थी घायल, दो को फ्रैक्चर, एक की जा चुकी है जान

होमगार्ड भर्ती की दौड़ में पांच अभ्यर्थी गश खाकर गिर गए। इनमें दो के पैर में फ्रैक्चर हुआ, जबकि तीन को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। एक अभ्यर्थी की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी।

होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया में शनिवार को दौड़ लगाते हुए पांच अभ्यर्थी गश खाकर फिर गिर गए।

उन्हें स्वास्थ्य विभाग की टीमों और पुलिस कर्मियों ने जिला अस्पताल पहुंच कर भर्ती करा दिया। इनमें दो अभ्यर्थी के पैर में फ्रैक्चर हुआ है जबकि तीन को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। पांच दिन में

अब तक 17 अभ्यर्थी गश खाकर गिर गए हैं। इनमें एक अभ्यर्थी शिवम की मौत हो चुकी है। शनिवार को 105 अभ्यर्थी निर्धारित समय में दौड़ पूरी नहीं कर पाए।

सिविल लाइंस के कांठ रोड स्थित नौवीं वाहिनी पीएसी के मैदान में 15 सितंबर से होमगार्ड भर्ती की दौड़ परीक्षा चल रही है।शुक्रवार को दौड़ के दौरान बरेली निवासी शिवम यादव दौड़ लगाते समय गिर गया था। वह 11 राउंड पूरे कर चुका था और अंतिम राउंड को पूरा करने के नजदीक पहुंच गया था। स्वास्थ्य विभाग की टीम और पुलिस कर्मी उसे जिला अस्पताल ले गए थे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था।पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक से मौत होने की पुष्टि हुई है। शनिवार को कड़ी निगरानी और कड़ी सुरक्षा के बीच अभ्यर्थियों की मैदान में एंट्री कराई गई। शनिवार को 1050 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था लेकिन 995 अभ्यर्थी ही दौड़ में शामिल हुए। जिसमें से 890 ने निर्धारित समय में दौड़ पूरी की लेकिन 105 अभ्यर्थी दौड़ पूरी नहीं कर पाए। दौड़ के दौरान पांच अभ्यर्थी अलग-अलग पाली में गश खाकर गिरे। स्वास्थ्य विभाग की टीम पहले से मैदान पर एंबुलेंस लेकर मौजूद थे। पांचों को तुरंत जिला अस्पताल भिजवा दिया गया।भर्ती के नोडल अधिकारी एसपी क्राइम सुभाषचंद्र गंगवार ने बताया कि दो अभ्यर्थियों के पैर में फ्रैक्चर है जबकि तीन अभ्यर्थियों की अस्पताल से छुट्टी हो गई है। शनिवार को 890 अभ्यर्थी दौड़ परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं।

24 घंटे जलता रहेगा अखंड दीया: 500ml तेल क्षमता और लेजर कटिंग डिज़ाइन, इस दिवाली बाजार में उतरीं ये 3 नई चीजें

दीपावली के लिए बाजार में रोशनी और सजावट के नए उत्पाद आ गए हैं, जिनमें क्रिस्टल ग्लास के अखंड दीपक और गोमाता की छवि वाली पीतल की थाली खास आकर्षण हैं। पान के पत्ते की डिजाइन और लेजर कटिंग वाले दीपक भी खूब पसंद को मिलेंगे अलग-अलग तैयार दीपक फुटकर दुकानदारों का त्योहार नजदीक आते ही बाजार में रोशनी और सजावट स्थल तक सजाने के लिए इस बार दीपकों और पूजन के साथ अखंड दीपक का बदला हुआ स्वरूप लोगों का 200 से 500 एमएल तक तेल की क्षमता के साथ उपलब्ध लेजर कटिंग से तैयार दीपक और पैंदी तथा गोमाता की बनी है।बढ़ती कीमतों के बावजूद पीतल की पूजन सामग्री तक इन आकर्षक उत्पादों की बिक्री और बढ़ेगी। फुटकर बुक करा दिये हैं। जिससे जो रेट आज का है। उसी रेट पर 500 एमएल तक तेल की क्षमता- दीपावली पर घर में मिला है। बाजार में क्रिस्टल ग्लास से तैयार अखंड दीपक इस दीपक में दो क्रिस्टल ग्लास का विशेष संयोजन किया

किए जा रहे हैं।दीपावली पर बाजार में खरीदारों को देखने ने होलसेल कारोबारियों के पास बुक कराए आर्डरदीपावली की रौनक बढ़ने लगी है। घर की दहलीज से लेकर पूजा सामग्री की नई रेंज बाजार में उतरी है। पारंपरिक दीपकों ध्यान खींच रहा है। क्रिस्टल ग्लास में तैयार यह दीपक है। इसके अलावा पान के पत्ते के आकार की सजावट, आकृति वाली पीतल की थाली भी बाजार की खासियत की मांग बनी हुई है। दुकानदारों को उम्मीद है कि दीपावली दुकानदारों ने थोक व्यापारियों के पास अपने-अपने आर्डर उन्हें उत्पाद मिल सकें। क्रिस्टल ग्लास में अखंड दीपक, अखंड ज्योत जलाने की परंपरा को इस बार नया रूप लोगों को आकर्षित कर रहा है। गुजरात में तैयार किए गए गया है। एक हिस्से में तेल भरा जाता है, जबकि दूसरे हिस्से से रोशनी की व्यवस्था की गई है। अलग-अलग आकार में उपलब्ध इस दीपक में 200 से 500 एमएल तक तेल भरा जा सकता है। व्यापारी अमरीश अग्रवाल ने बताया कि इसकी कीमत एक से ढाई हजार रुपये तक है। पीतल की थाली पर उभरी गोमाता की छवि- पीतल की कीमत भले ही लगातार बढ़ रही हो, लेकिन दीपावली पर पूजन सामग्री में इसकी चमक कम नहीं हुई है। बाजार में इस बार गोमाता की छवि वाली पीतल की थाली खास आकर्षण बनी हुई है।थाली पर गोमाता का चित्र मशीन की मदद से बेहद बारीकी से तैयार किया गया है। पूजा की सामग्री रखने के साथ ही यह थाली सजावटी रूप में भी इस्तेमाल की जा सकती है। ब्रास कारखानेदार एसोसिएशन अध्यक्ष हाजी आजम अंसारी ने बताया कि बाजार में लोग पूजन के लिए ऐसी सामग्री पसंद कर रहे हैं, जिसमें परंपरा के साथ कलात्मकता भी दिखाई दे। पान का पत्ता और लेजर कटिंग की पैंदी- बाजार में पान के पत्ते की डिजाइन और लेजर कटिंग से तैयार पैंदी वाले अखंड ज्योत दीपक लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। इनमें पत्तियों और पान के पत्ते की आकृतियों को इस तरह सजाया गया है कि दीपक जलने पर रोशनी के साथ डिजाइन की छाया भी दिखाई देती है।इससे साधारण दीपक भी आकर्षक सजावटी वस्तु का रूप ले लेता है। दीपावली पर पूजा स्थल और बैठक को सजाने के लिए इनकी मांग बढ़ रही है। व्यापारी संजय सहगल के अनुसार इस बार ग्राहक परंपरागत दीपक के साथ नए डिजाइन और आधुनिक कारीगरी वाले दीपकों को भी पसंद कर रहे हैं।

गन्ने के खेत में लाश देखकर मच गई खलबली, मुरादाबाद में रामलीला देखने गए युवक की हत्या; चचेरा भाई फरार

मुरादाबाद के डिलारी क्षेत्र में रिंकू नामक युवक की हत्या कर शव गन्ने के खेत में फेंक दिया गया। वह अपने चचेरे भाई शिवम के साथ रामलीला देखने गया था, और परिवार ने शिवम पर ही हत्या का आरोप लगाया है, जिसका संबंध पुराने पारिवारिक विवाद से बताया जा रहा है।

रिंकू की हत्या कर शव गन्ने के खेत में फेंका गया।चचेरे भाई शिवम के साथ रामलीला देखने गया था रिंकू। पारिवारिक विवाद के कारण चचेरे भाई पर हत्या का आरोप।डिलारी क्षेत्र के गांव वमनिया पट्टी निवासी युवक रिंकू की हत्या कर शव गन्ने के खेत में फेंक दिया। युवक शनिवार शाम घर अपने चचेरे भाई शिवम के साथ पड़ोसी गांव सरकड़ा में रामलीला देखने गया था। युवक की धारदार हथियार से सिर पर हमला करके हत्या की गई है। साथ में गए मृतक का चचेरा भाई फरार है। स्वजन ने उसी पर हत्या करने का आरोप लगाया है। गांव वमनिया पट्टी निवासी रिंकू की पत्नी को उसका चचेरा भाई अमित करीब एक साल पहले लेकर फरार हो गया था। अमित रिंकू की पत्नी और दो बच्चों को साथ लेकर दिल्ली

में रह रहा है। कई बार इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो चुका है।रामलीला देखने चचेरे भाई संग गया था पड़ोस के गांव-सरकड़ा गांव

में इस समय रामलीला चल रही है। रिंकू शनिवार शाम अपने चचेरे भाई शिवम के साथ रामलीला देखने के लिए घर से निकला था। शिवम अमित का सगा भाई है। रात में रिंकू घर वापस नहीं आया। रविवार सुबह युवक की तलाश शुरू कर दी। तलाश के बाद युवक का शव सरकड़ा गांव के जंगल में नहर किनारे गन्ने के खेत में मिला। सूचना पर पुलिस पहुंच गई।

मेटा अलर्ट से बाल यौन शोषण से मिली Video, मुरादाबाद में दर्ज हुआ पहला केस

मेटा अलर्ट के माध्यम से मुरादाबाद पुलिस को बाल यौन शोषण से जुड़ा एक वीडियो मिला, जिसके बाद जिले में पहली बार इस मामले में कार्रवाई हुई है।

भोजपुर पुलिस ने फतेहपुर निवासी नदीम के खिलाफ आईटी एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है।मेटा अलर्ट से बाल यौन शोषण वीडियो की जानकारी मिली। मुरादाबाद जिले में पहला मुकदमा दर्ज किया गया। भोजपुर पुलिस ने नदीम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

मेटा अलर्ट के माध्यम से खुदकुशी करने वाले लोगों को बचाने के अलावा अब बाल यौन शोषण से जुड़े कंटेंट पर कार्रवाई भी होने लगी है। इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों पर बाल यौन शोषण से जुड़े कंटेंट पोस्ट करने के बाद मुरादाबाद पुलिस को मिले मेटा अलर्ट पर जिले में पहली कार्रवाई हुई है।

भोजपुर पुलिस ने फतेहपुर निवासी नदीम के खिलाफ आइटी एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। यौन शोषण से जुड़ी एक पोस्ट-मुरादाबाद पुलिस को मेटा अलर्ट के माध्यम से इंटरनेट मीडिया पर बाल यौन शोषण से जुड़ी एक पोस्ट की गई एक वीडियो मुरादाबाद पुलिस को मिली। मुरादाबाद पुलिस ने उस वीडियो को अपने पास सुरक्षित किया। इसके बाद जांच की गई तो जिस इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म से वह वीडियो पोस्ट की गई थी वह एकाउंट भोजपुर के फतेहपुर निवासी नदीम का निकला। उस वीडियो को पेन ड्राइव में करके भोजपुर पुलिस को भेजा गया।पुलिस ने आईटी एक्ट की धाराओं में दर्ज किया केस-वीडियो में दिख रही महिला व बच्चे की पहचान का प्रयास शुरू किया गया, लेकिन तमाम प्रयास के बाद भी महिला व बच्चा नहीं मिला। इसके बाद भोजपुर पुलिस ने वीडियो पोस्ट करने वाले आरोपित नदीम के खिलाफ शनिवार को आइटी एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली।

रेलवे यात्रियों के लिए जरूरी खबर: 26 ट्रेनें रहेंगी प्रभावित, 4 रद्द और 12 के बदले जाएंगे रूट

मुरादाबाद और अंबाला मंडल में रेलवे ब्लॉक के कारण बरेली होकर गुजरने वाली 26 ट्रेनें प्रभावित होंगी। इनमें चार ट्रेनें रद्द, 12 ट्रेनों का रूट बदला गया है, जबकि 10 ट्रेनें 40 से 180 मिनट तक की देरी से चलेंगी। यहां देखें प्रभावित ट्रेनों की पूरी लिस्ट, तारीख और रूट की जानकारी। मुरादाबाद और अंबाला मंडल में अलग-अलग तारीखों पर रेलवे ब्लॉक के चलते बरेली होकर गुजरने वाली 26 ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। इनमें चार ट्रेनों को निरस्त, 12 ट्रेनों को बदले हुए मार्ग से चलाने और 10 ट्रेनों को 40 से 180 मिनट तक की देरी से संचालित करने का निर्णय लिया गया है। रेलवे की ओर से यात्रियों को अपनी यात्रा से पहले ट्रेन का शेड्यूल जांचने की सलाह दी गई है। मुरादाबाद मंडल में इन ट्रेनों पर पड़ेगा असर- मुरादाबाद मंडल के सीनियर डीसीएम महेश यादव के मुताबिक, मुरादाबाद-सहारनपुर रेलखंड में ब्लॉक के कारण 12229 प्रयागराज संगम-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस 27 सितंबर और 12230 योग नगरी ऋषिकेश-प्रयागराज संगम एक्सप्रेस 28 सितंबर को निरस्त रहेगी। वहीं 15211 जननायक एक्सप्रेस को 28 सितंबर को रास्ते के स्टेशनों पर 30 मिनट नियंत्रित किया जाएगा। यह ट्रेन 25 और 26 सितंबर को दो घंटे की देरी से संचालित होगी।

संक्षिप्त समाचार

बदनामी के डर से टूटी शादी, वीडियो से ब्लैकमेलिंग जारी; तीन युवकों पर सामूहिक दुष्कर्म का केस

मझोला क्षेत्र की युवती ने तीन युवकों पर सामूहिक दुष्कर्म और अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मझोला थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती ने तीन दोस्तों पर सामूहिक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस नका कहना है कि आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। 20 वर्षीय युवती ने मझोला थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि जब वह कक्षा चार में पढ़ रही थी तो उसके पड़ोस में शुभम सैनी रहता था। उस वक्त पीड़िता की उम्र 12 साल थी। आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किए और वीडियो बना लिया था। इसी वीडियो के जरिये आरोपी पीड़िता को ब्लैकमेल करता रहा।पीड़िता ने 2020 में आरोपी को सबक सिखाने के लिए छेड़खानी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद परिवार ने बदनामी के डर से पीड़िता की शादी कर दी थी। आरोपी ने पीड़िता के पति को भी अश्लील वीडियो भेजकर उसका रिश्ता खत्म कराने की कोशिश की।25 मार्च 2024 की सुबह करीब 11 बजे पीड़िता अपने घर में मौजूद थी जबकि उसके मां बाप बाहर गए थे। इसी दौरान मझोला के रामतलैया निवासी शुभम सैनी, मझोला के ब्रह्मपुरी कॉलोनी निवासी पंकज और इनका साथी विट्ठू सैनी पीड़िता के घर में घुस गए और सामूहिक दुष्कर्म किए। इसके अलावा 23 मार्च 2025 को आरोपी ने पीड़िता को वीडियो डिलीट करने के बहाने बुध बाजार स्थित होटल में बुला लिया। यहां भी आरोपी ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया लेकिन वीडियो डिलीट किए बिना ही भाग गया।इसके बाद से आरोपी लगातार उसे ब्लैकमेल कर रहा है। सीओ सिविल लाइंस भास्कर कुमार मिश्रा का कहना है कि शुभम सैनी, पंकज और विट्ठू सैनी के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मुस्लिम महिला को मिला इंसाफ, तेजाब फेंककर तीन तलाक देने वाले पति को मुरादाबाद कोर्ट ने ठहराया दोषी

मुरादाबाद कोर्ट ने एक मुस्लिम महिला को तेजाब फेंकने और तीन तलाक देने वाले पति को दोषी ठहराते हुए पांच साल की सजा सुनाई है। यह फैसला तीन तलाक कानून के तहत मुस्लिम महिलाओं को मिल रहे इंसाफ का एक उदाहरण है।पति वाहिद हुसैन को तेजाब फेंकने और तीन तलाक देने पर सजा।मुरादाबाद कोर्ट ने दोषी पति को पांच साल की कारावास सुनाई। तीन तलाक कानून के तहत मुस्लिम महिला को मिला न्याय।तीन तलाक कानून बनने के बाद मुस्लिम महिलाओं को न्यायालय से इंसाफ

मिलना शुरू हो गया है। निकाह के आठ साल बाद भी बच्चे नहीं होने पर पत्नी को पीटकर उसके ऊपर तेजाब फेंकने और तीन तलाक देकर घर से निकालने वाले वाहिद हुसैन को कोर्ट ने दोषी करार देते हुए पांच साल की सजा सुनाई है। वाहिद हुसैन का निकाह सायबा बी से हुआ था। सायबा बी ने छह जुलाई 2021 को भोजपुर थाने में शिकायत दी कि निकाह के आठ साल बाद भी उसे बच्चा नहीं होने पर पति और ससुरालियों ने प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। ससुराल वाले पति का दूसरा निकाह करना चाहते थे।चार जुलाई, 2021 को उसे जमकर पीटा और फिर पति ने उस पर तेजाब भी फेंक दिया, तीन तलाक बोलकर घर से निकाल दिया था। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति व ससुरालीजन रुबीना उर्फ रुबी, शमीम, नईम और शाकिर हुसैन के खिलाफ प्राथमिकी लिखी थी।पुलिस ने विवेचना के दौरान पति के अलावा सभी के नाम प्राथमिकी से हटा दिए थे। शनिवार को कोर्ट ने पति को दोषी करार दिया। उसे मारपीट में छह माह की सजा व एक हजार रुपये का जुर्माना, तेजाब फेंकने पर पांच साल की सजा और 30 हजार रुपये जुर्माने के साथ तीन तलाक से संबंधित कानून में तीन साल की सजा और पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

त्रिवटीनाथ मंदिर में आरोग्य प्रकल्प के तहत मना आयुर्वेदा डे, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो /बरेली। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के आरोग्य प्रकल्प के अंतर्गत त्रिवटीनाथ मंदिर में आयुर्वेदा डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को समग्र स्वास्थ्य, संतुलित दिनचर्या और भारतीय चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूक करना रहा।समारोह में मुख्य वक्ता साध्वी वंदना भारती ने दैनिक जीवन में सरल आयुर्वेदिक नियमों को अपनाने के व्यावहारिक उपाय साझा किए। उन्होंने संतुलित आहार, ऋतुचर्या, दिनचर्या और प्राकृतिक स्वास्थ्य संरक्षण पर विशेष बल देते हुए कहा कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार की पद्धति नहीं, बल्कि रोग-निवारण (प्रिवेंशन) और स्वास्थ्य संवर्धन की समग्र जीवनशैली है।उन्होंने स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्% के सिद्धांत का उल्लेख करते हुए बताया कि भागदौड़ भरी जिंदगी में बीमारी के बाद इलाज पर निर्भर रहने के बजाय पहले से सतर्क रहना आवश्यक है। संस्थान का आरोग्य प्रकल्प शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के संतुलन पर कार्य करता है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया और पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक जीवन में ढालने का संकल्प लिया। संस्थान का यह प्रयास समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम पहल है।

बरेली जिला जेल में जली साक्षरता की लौ: 5 महिलाओं समेत 35 बंदियों ने दी नवसाक्षर परीक्षा

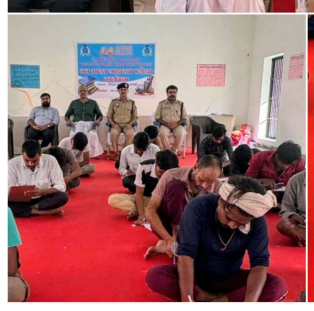

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। जिला कारागार में बंदियों के सुधार और पुनर्वास की दिशा में रविवार को नवभारत साक्षरता परीक्षा का आयोजन किया गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के इस कार्यक्रम के तहत कुल 35 बंदियों ने परीक्षा दी, जिनमें 5 महिला बंदी भी शामिल रहीं। निरक्षर बंदियों को साक्षर बनाने के लिए यह विशेष अभियान अगस्त माह में शुरू किया गया था। इसमें बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षक संजीव गंगवार और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का अहम योगदान रहा। जेल प्रशासन के अनुसार, बंदियों को शिक्षा और कौशल से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में वापस लाना ही इसका मुख्य उद्देश्य है। परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले सभी बंदियों को एनआईओएस (NIOS) द्वारा प्रमाण-पत्र दिया जाएगा, जिससे रिहाई के बाद उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। परीक्षा के सफल संचालन में जेलर आनंद सिंह, सुशील वर्मा सहित कारागार के अन्य अधिकारियों का विशेष सहयोग रहा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दुर्विजय शाक्य के जन्मदिन पर , बनखंडी नाथ मंदिर में रुद्राभिषेक के बाद रोपे चंदन के पौधे

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य के जन्मदिन के उपलक्ष्य में भाजपा नेता प्रतेश पाण्डेय की ओर से बाबा बनखंडी नाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं रुद्राभिषेक कराया गया। इस दौरान दुर्विजय सिंह शाक्य ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की और बाबा बनखंडी नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। रुद्राभिषेक के पश्चात मंदिर परिसर में चंदन के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण से जुड़े इस आयोजन में भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम में वन मंत्री अरुण सक्सेना, महापौर डॉ. उमेश गौतम, रोली पाण्डेय, सुमित योगी, डॉ. बनवारी लाल शर्मा, प्रदीप सक्सेना, अभिषेक गुप्ता, रिंकू राठौर सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा।

नाट्य मंचन से दिखेगी पीएम मोदी की 25 साल की सेवा यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत अब उनके जीवन और सेवा यात्रा को नाट्य मंचन के जरिए आमजन तक पहुंचाया जाएगा। सिविल लाइंस स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की गई। नवाबगंज विधायक डॉ. एमपी आर्य ने बताया कि संगीतमय नाट्य प्रस्तुति में गुजरात के मुख्यमंत्री काल से लेकर प्रधानमंत्री पद तक के सफर को संवाद, अभिनय और संगीत के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना ने बताया कि जिले के स्कूलों, कॉलेजों, ग्राम पंचायतों, सामुदायिक केंद्रों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर मंचन की योजना है। प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष सोमपाल शर्मा, आंवला जिला अध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, जिला मीडिया प्रभारी अंकित माहेश्वरी, महानगर मीडिया प्रभारी बंटी ठाकुर सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीबी मुक्त गांव की पहल-केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांवों को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में एक नई पहल के रूप में विदिशा से जिला समृद्धि मॉडल परियोजना का शुभारंभ किया गया। विदिशा संसदीय क्षेत्र के जिलों में ग्रामवासियों की आमदनी के स्रोतों में वृद्धि कर गांवों को आर्थिक रूप से सशक्त और समृद्ध बनाने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा स्थानीय सांसद श्री शिवराज सिंह चौहान एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने संयुक्त रूप से परियोजना का शुभारंभ किया।विदिशा के रविन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांवों को गरीबी से मुक्त करने के उद्देश्य से इस नई पहल की शुरुआत विदिशा जिले से की जा रही है। इसका मूल उद्देश्य गांवों में रहने वाले परिवारों की आय में वृद्धि करना तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध कराना है।उन्होंने कहा कि गरीबी से मुक्ति केवल सहायता उपलब्ध कराने से नहीं, बल्कि परिवारों की आय के स्थायी और विविध स्रोत विकसित करने से संभव होगी। जिला समृद्धि मॉडल परियोजना के माध्यम से प्रत्येक गांव की स्थानीय परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए विकास की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। गांवों में कृषि के साथ-साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, लघु उद्योग, स्वरोजगार, ग्रामीण पर्यटन तथा अन्य आयवर्धक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।

भाजपा ने मंडल में वरिष्ठ नेताओं को बनाया जिला और महानगर प्रभारी

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ब्रज क्षेत्र के बरेली मंडल में संगठन को विस्तार-मजबूत करते हुए जिला और महानगर प्रभारियों की नियुक्ति कर दी है। बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं और पीलीभीत में सात वरिष्ठ नेताओं को संगठन में यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी गई है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने जिला और महानगर प्रभारियों की सूची घोषित कर दी है। बरेली में तीन सांगठनिक इकाईयां हैं। बरेली जनपद, महानगर और आंवला सहित तीन नेताओं को कमान

दिनेश शर्मा को बरेली का जिला प्रभारी बनाया है। महानगर की जिम्मेदारी रजनीकांत माहेश्वरी को सौंपी है और डीपी भारती को आंवला का प्रभारी नियुक्त किया है। विधानसभा चुनाव के ऐन वक्त पर तीनों नेताओं पर बरेली की सभी सीटों पर पार्टी को मजबूत करने की जिम्मेदारी है। शाहजहांपुर में दो सांगठिनक इकाईयां हैं। बरेली जनपद और महानगर।

पीलीभीत में भाजपा के जिलाध्यक्ष रहे संजीव प्रताप सिंह को शाहजहांपुर का जिला प्रभारी बनाया गया है। वहीं, ब्रज क्षेत्र के अध्यक्ष रहे और वर्तमान में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्विजय शाक्य को महानगर की जिम्मेदारी सौंपी है। बदायूं में राकेश, पीलीभीत में हर्षवर्धन- भाजपा ने राकेश मिश्रा को बदायूं का जिला प्रभारी बनाया है, जबकि हर्षवर्धन आर्य को पीलीभीत जिला प्रभारी का दायित्व सौंपा है। दोनों जिला प्रभारी अपने-अपने जनपदों में संगठन को धार देंगे। भाजपा की जिला कार्यकारिणी के साथ मिलकर संगठन को धरातल पर मजबूत करने में जुटेंगे। भाजपा ने इन वरिष्ठ नेताओं को बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं और पीलीभीत में संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंप दी हैं। यह नियुक्तियां इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। उससे पहले नेताओं पर संगठन को चुनावी जीत की कसौटी पर कसने का भार रहेगा।

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत खेल प्राधिकरण ने निकाली संडे ऑन साइकिल रैली

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) प्रशिक्षण केंद्र ने रविवार को फिट इंडिया मूवमेंट के तहत संडे ऑन साइकिल विद जर्नलिस्ट कार्यक्रम किया। यह आयोजन बरेली कैंट के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित किया गया।

साइकिल रेली भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र से शुरू हुई। यह युगवीणा चौक, पहलवान बाबा मंदिर, शास्त्री चौक, कैंटोनमेंट जनरल अस्पताल और मदारी की पुलिया से होकर वापस केंद्र पर खत्म हुई। इस रैली का मकसद लोगों को रोज कम से कम 30 मिनट साइकिल चलाने और नियमित व्यायाम करने के लिए प्रेरित करना था, ताकि वे फिट रह सकें। कार्यक्रम की शुरुआत में मीडियाकर्मी अबन कुमार और भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) बरेली की सेपकटाकरा प्रशिक्षक मीना कुमारी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस आयोजन में करीब 30 लोगों ने जोश के साथ हिस्सा लिया। इस दौरान मीडियाकर्मी सूरज पटेल, शुभम चौरसिया, अविरल बरोलिया, उपदेश, सौरभ मिश्रा समेत कई और मीडियाकर्मी और गणमान्य लोग मौजूद थे।

परिवार से बगावत करके की शादी, प्रेमी के साथ एसएसपी ऑफिस पहुंची युवती

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। एक प्रेमी जोड़े ने परिवार से बगावत करके शादी कर ली। लड़की के घरवालों को ये रिश्ता मंजूर नहीं है। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी। इसके खिलाफ युवती अपने पति के साथ एसएसपी ऑफिस पहुंची। प्रार्थना पत्र देकर अनुरोध किया कि उसके पति और ससुराल वालों को परेशान न किया जाए। वह बालिग है। अपनी मर्जी से निकाह किया है।

मामला बिशारतगंज का है। माही नाम की युवती रविवार को अपने पति खुशाहल के साथ एसएसपी ऑफिस पहुंचीं। प्रार्थना पत्र दिया। इसमें कहा कि वह खुशाल से प्रेम करती है। दोनों ने शादी कर ली। अब प्रेमी के साथ रहना चाहती है। युवती ने कहा कि उसके घरवाले रिश्ते के लिए राजी नहीं थे। उनकी मर्जी के बगैर शादी की है। वह 14 सितंबर से उसके साथ राजी-खुशी से रह रही है। उधर, माही के शादी करने से परिवार नाराज है। उन्होंने खुशाल और उनके परिवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। युवती ने एसएसपी को संबोधित प्रार्थना पत्र में कहा कि खुशाल उसे भगाकर नहीं ले गया है, बल्कि वह अपनी मर्जी से उसकी साथ गई है। मेरे परिवार वाले ससुराल वालों के खिलाफ झूठी शिकायतें कर रहे हैं। युवती ने अपनी और पति की सुरक्षा की मांग की है। कहा कि मामले की जांच की जाए और उन्हें या उनके ससुराल के लोगों को परेशान न किया जाए। माही और खुशाल के प्रेम विवाह का मामला अब अधिकारियों तक पहुंच गया है। हालांकि दोनों परिवारों के लोग ऐसा कदम उठाने से नाखुश हैं। लड़की पक्ष ने युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने की बात कही है। लेकिन युवती खुद के बालिग होने की बात कहकर प्रेमी के साथ ही रहने की जिद पर अड़ी है।

छुक-छुक से सन्नाटे तक... बहेड़ी की केसर मिल हुई पराई, 90 साल पुराने रिश्ते का अंत

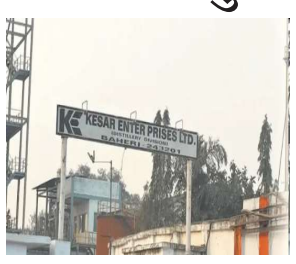

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली, बहेड़ी। करीब 90 साल से बहेड़ी की पहचान बनी केसर शुगर मिल की बिक्री के साथ ही एक युग का अंत हो गया। कभी केसर की चीनी दूर-दूर तक मशहूर थी और इसी के साथ बहेड़ी का नाम भी देशभर में पहचान बना चुका था। अब मिल पर अवध फूड्स एंड मल्टी वेयरहाउस लिमिटेड का मालिकाना हक हो गया है। बिक्री की खबर से उन लोगों में मायूसी है, जिनका बचपन और जीवन केसर मिल की पहचान के साथ बीता। ब्रिटिश शासनकाल में 1932-33 में केसर शुगर वर्क्स की स्थापना हुई थी। गुजरात से मुंबई पहुंचे सेठ किलाचंद-देवचंद ग्रुप ने यहां मिल स्थापित की थी। उस दौर में हॉलैंड की स्टॉक कंपनी का एंटीक भाप इंजन गन्ने की पेराई करता था और मिल की क्षमता करीब 800 टन प्रतिदिन थी, जो बढ़कर अब 7200 टन प्रतिदिन हो चुकी थी। 1991 में केसर शुगर वर्क्स का नाम केसर इंटरप्राइजेज हुआ। बाद में मिल परिसर में 45 केएल डिस्टलरी और 44 मेगावाट क्षमता का पावर प्लांट भी स्थापित किया गया। डिस्टलरी लंबे समय से बंद है। मिल में एक लाख चीनी की बोरियां रखने की क्षमता वाला गोदाम और भव्य प्रशासनिक भवन भी बनाया गया था। अब मालिकाना बदलाव के साथ बहेड़ी और केसर के दशकों पुराने रिश्ते की कहानी एक नए अध्याय में प्रवेश कर गई है।

गाजे-बाजे के साथ गणपति बप्पा की प्रतिमा का रामगंगा में हुआ विसर्जन

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी ट्ट कस्बे के मोहल्ला लोधी नगर में स्थित लंगड़े बाबा की मढ़ी मंदिर पर सात दिनों से चल रहे गणेश चतुर्थी महोत्सव के आखिरी दिन रविवार को पंडित सौरभ शर्मा एवं पंडित राजीव शर्मा ने भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना कर प्रसाद वितरण कराया उसके बाद सभी मोहल्ले वासियों ने गणपति बप्पा की मूर्ति को गाड़ी में बैठाकर कस्बे में गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और गुलाल की होली खेलते हुए कस्बे में भव्य यात्रा निकाली। उसके बाद पिथुपुरा रामगंगा में भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। आयोजक सभासद महेंद्र पाल शर्मा और संगीता मौर्य मौर्य ने बताया कि पिछले सोमवार को गणेश चतुर्थी लोधी नगर चौराहे लंगड़े बाबा की मणि पर भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की स्थापना कराई थी। उसके बाद सात दिनों तक पंडित सौरभ शर्मा और पंडित राजीव शर्मा द्वारा सुबह शाम पूजा अर्चना की गई। सभी भक्तगणों को प्रसाद वितरण कराया गया। इस दौरान मंदिर में भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।रविवार दोपहर मंदिर से श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष करते हुए प्रतिमा को लेकर मुख्य बाजार से होते हुए यात्रा निकली उसके बाद पिथुपुरा रामगंगा घाट पर विधि-विधान से अंतिम पूजा-अर्चना के बाद भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का गंगा में विसर्जित किया गया। इस दौरान गौरव मौर्य, दिनेश मौर्य, राहुल मौर्य, सभासद। सक्सेना समेत सैकड़ों महिलाएं और पुरुष कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस दौरान चौकी इंचार्ज आदेश कुमार अपने टीम के साथ मौजूद रहे।

घरेलू हिंसा को न समझें मामूली विवाद, सख्ती से निपटें: मिशन शक्ति पुलिस का विशेष प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। मिशन शक्ति केंद्रों पर तैनात पुलिसकर्मियों को और अधिक संवेदनशील व दक्ष बनाने के लिए बरेली पुलिस का 7 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर जारी है। बरेली परिक्षेत्र डी आई जी अजय कुमार साहनी व एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यशाला में शनिवार को साकार एनजीओ की संस्थापक सदस्य शिल्पी ने पुलिसकर्मियों को पीड़ित-केंद्रित कार्यप्रणाली के गुर सिखाए। शिल्पी अग्रवाल ने स्पष्ट कहा कि किसी भी मामले में हिंसा या प्रताड़ना को सामान्य पारिवारिक विवाद मानकर नजरअंदाज न किया जाए। थाने आने वाली पीड़ित महिलाओं की बात बिना किसी पूर्वाग्रह के धैर्यपूर्वक सुनी जाए और उनकी गोपनीयता बनाए रखते हुए सुरक्षित माहौल दिया जाए। प्रशिक्षण में जहां संभव हो वहां काउंसलिंग के जरिए समाधान निकालने और गंभीर मामलों में पीड़िता की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल विधिक सहायता व संरक्षण दिलाने पर जोर दिया गया। इस दौरान सभी थानों के मिशन शक्ति प्रभारी व पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

धर्मपुर कलां में पीडीए की बैठक, खाद-डीएपी की किल्लत पर किसानों ने उठाई आवाज

खाद और डीएपी के लिए परेशान किसान, विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने सुनी समस्याएं

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच /। ग्राम धर्मपुर कलां में दानवीर चौधरी के आवास पर समाजवादी पार्टी की पीडीए बैठक आयोजित की गई, जिसमें माननीय विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने पहुंचकर किसानों से संवाद किया और खेती-किसानी से जुड़ी उनकी समस्याओं को जाना। बैठक में किसानों ने खाद और डीएपी उपलब्ध न होने की समस्या प्रमुखता से उठाई। किसानों ने बताया कि समय पर खाद और डीएपी नहीं मिलने से खेती-किसानी प्रभावित हो रही है। किसानों ने फसल की लागत, कृषि सुविधाओं और अपनी आय से जुड़ी समस्याएं भी विधायक के सामने रखीं। इस दौरान विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने कहा कि भाजपा सरकार किसान विरोधी है। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया गया था, लेकिन आज किसान अपनी फसल के लिए खाद और डीएपी तक के लिए परेशान है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को मजबूती से उठाया जाएगा। खेती की लागत कम करने, समय पर खाद-डीएपी उपलब्ध कराने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने जैसे मुद्दों पर गंभीरता से काम करने की जरूरत है विधायक ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी समस्याओं की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। बैठक में किसानों ने भी अपनी

समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद की। बैठक के दौरान 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प दिलाया गया।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष हाजी मोहम्मद उस्मान एडवोकेट, आयोजक दानवीर चौधरी, निशांत चौधरी, जिला महासचिव युवजन सभा रमाकांत सैनी, जिला उपाध्यक्ष शिक्षक सभा वाजिद खान, ललित यादव, बच्चन खान, मोहसिन, सीताराम सिंह जाटव, राबिक, मुशाहिद, फरीद, छोटे, राजकुमार सिंह चौधरी, हाशिम खान, हरपाल जाटव, बब्बू खान, सुरेश चौधरी, महबूब अली सैफी, भूरा हुसैन, नसीम खान, डॉक्टर हरवीर सिंह, राजकुमार, बसंत राम, वीरपाल जाटव, जगदीश, तेजपाल कश्यप, राजवीर, राजीव सिंह, दानवीर सिंह, मित्र पाल, सोरन सिंह, कामेंद्र चौधरी, गमन सिंह, जाकिर हुसैन, सुरेश, रोहतास, अंकित कुमार, अतर सिंह, किशनवीर, सिद्धार्थ चौधरी, सुखबीर सिंह, अजय, अनूप सिंह यादव, वीरेंद्र, गुलजार अली, अमर सिंह, वेदराम सिंह, जयप्रकाश सैनी, राजीव सैनी, रामकिशोर जाटव, अनीश कुमार जाटव, हरिराम जाटव, सुमित, राम अवतार, जसपाल वाल्मीकि, रजा वारसी समेत बड़ी संख्या में पीडीए परिवार के लोग मौजूद रहे।

राधा अष्टमी पर मंदिर में हुआ पूजन, राधा स्वरूप में सजे बच्चों ने मोहा मन

मुरादाबाद क्यूँ न लिखूँ सच / श्री राधा कृष्ण सेवा मंडल के तत्वावधान में राधा अष्टमी का पर्व श्री कालेश्वर एवं मुक्तेश्वर महादेव मंदिर में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर के पुजारी पंडित परमानंद तिवारी ने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा रानी का विधि-विधान से पूजन कराया। इस दौरान बच्चों ने राधा स्वरूप में सजकर मनमोहक झांकियां प्रस्तुत कीं। पूजन के बाद महाआरती कर सभी के मंगल की कामना की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। श्री राधा कृष्ण सेवा मंडल की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित शोभायात्रा के सफल संचालन के लिए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को भगवान

श्रीकृष्ण एवं राधा रानी के चित्र भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संयोजक संस्थापक के.के. मिश्र, संजीव मिश्र, संजय गुप्ता पोली, प्रदीप गुप्ता, जयपाल सिंह यादव, अजय दिवाकर, दिनेश कश्यप, राहुल शर्मा, अभिलाष शुक्ला, आशीष शर्मा, अशोक कश्यप, अमित गौतम, ओम प्रकाश ठाकुर, पंकज कुमार, क्षितिज मिश्रा, अभिषेक शर्मा गुरु, अनुज शर्मा, अमन शुक्ला, राकेश कश्यप, अंकुर सिंघल, चंद्रपाल, रितिक शुक्ला, राजीव यादव, गगन वार्ष्णेय, अमित शर्मा, दीपक गुप्ता, महेज स्वामी, शैलेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

किसानों को खाद और गन्ने का बकाया भुगतान दिलाने की मांग

सम्भल क्यूँ न लिखूँ सच / राष्ट्रीय भ्रष्टाचार दमन परिषद की बैठक तहसील अध्यक्ष इकराम वारसी के आवास पर हुई। बैठक में परिषद की ओर से भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाए जा रहे कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष के.के. मिश्र ने कहा कि किसानों को खाद वितरण में अनियमितता की शिकायतें मिल रही हैं। सभी किसानों को समय से खाद उपलब्ध कराने के लिए शिकायतों के साक्ष्य जुटाकर अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि कई चीनी मिलों पर पिछले वर्ष के गन्ने का भुगतान बकाया है। किसानों की इस समस्या को भी

अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा। उन्होंने सभी जिलाध्यक्षों से जनता की समस्याओं का समय से समाधान नहीं करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची साक्ष्य सहित तैयार कर उच्च अधिकारियों को अवगत कराने को कहा। के.के. मिश्र ने कहा कि जनपद सम्भल की सदर, चन्दौसी और गुन्नौर तहसीलों में किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने तथा गन्ने के अवशेष मूल्य का भुगतान कराने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा जाएगा। उन्होंने पदाधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में जनता की समस्याएं सुनकर उनके समाधान के लिए अधिकारियों से संपर्क करने और भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान को प्रभावी बनाने का आह्वान किया। बैठक में राष्ट्रीय सचिव डी.पी. शर्मा, प्रदेश सचिव तेजपाल सिंह यादव, अमित गौतम, इकराम वारसी, मो. अली, नाजिर, डा. आसिफ, नून जितेंद्र मिश्र, हाजी हाशिम अली, फुरकान , अंकुर सिंघल, रवि गुलाटी, अमित सक्सेना आदि मौजूद रहे। परिषद की अगली बैठक 27 सितंबर को प्रशासनिक कार्यालय पर होगी।

सुपरहिट फिल्म हनुमान अंश के गायक साधु तिवारी के मुख्य आतिथ्य में ब्राह्मण युवा प्रतिभाओं का सम्मान समारोह

क्यूँ न लिखूँ सच / सर्व ब्राह्मण समाज ने प्रतिभाओं को किया सम्मानित, मेधावी विद्यार्थियों से लेकर शासकीय सेवकों तक का हुआ अभिनंदन होटल मातोश्री में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, प्रदेश की उत्कृष्ट रैंक हासिल करने वाली स्मृति, आशिकी, कान्हा और प्रतिष्ठा का विशेष सम्मान शिवपुरी। सर्व ब्राह्मण समाज शिवपुरी द्वारा समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उनकी उपलब्धियों को सम्मान देने के उद्देश्य से होटल मातोश्री, ग्वालियर बायपास पर भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षा, शासकीय सेवा, खेल, प्रतियोगी परीक्षाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाबा नीम करोली के जीवन परिचय पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' के संगीतकार साधु तिवारी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता चूना खो सरकार महाराज एवं तुलसी

आश्रम के संत श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर पुरुषोत्तम दास जी महाराज ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि एडीएम शिवपुरी दिनेश चंद्र शुक्ला रहे। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ. श्रीमती ऋतु गिरीश चतुर्वेदी, उपखंड अधिकारी आदित्य सांडिल्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विजय तिवारी सहित अन्य गणमान्यजन मंचासीन रहे। भगवान परशुराम के पूजन से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ- कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद अतिथियों का माल्यार्पण, पटका पहनाकर, बैज लगाकर एवं श्रीफल भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। ,समारोह में सर्व ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष भरत शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने समाज की प्रतिभाओं की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन प्रतिभाओं को पहचान देने के साथ ही समाज के अन्य बच्चों एवं युवाओं को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। ,215 से अधिक प्रतिभाओं का हुआ सम्मान- प्रतिभा सम्मान समारोह में कक्षा 10वीं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 90 विद्यार्थियों, कक्षा 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 40 विद्यार्थियों, शासकीय सेवाओं में चयनित 39 प्रतिभाओं, शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त 25 कर्मचारियों तथा छश्वश्व, हश्वश्वज्ञ, खेल एवं अन्य विधाओं में उपलब्धियां हासिल करने वाली 21 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र, पटका एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रदेश में उत्कृष्ट रैंक हासिल करने वाली प्रतिभाओं का विशेष सम्मान- समारोह में कक्षा 10वीं में मध्यप्रदेश में 9वीं रैंक हासिल करने वाली स्मृति पाण्डेय एवं आशिकी शर्मा का विशेष सम्मान किया गया। वहीं कक्षा 12वीं में मध्यप्रदेश में तीसरी रैंक हासिल करने वाले कान्हा शर्मा तथा पांचवीं रैंक प्राप्त करने वाली प्रतिष्ठा गौड़ को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इन मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर उपस्थित समाजजनों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां- समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। विनीत शर्मा ने गणेश वंदना पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी, जबकि रौनक शर्मा ने महाभारत आधारित नृत्य प्रस्तुति देकर उपस्थितजनों की खूब सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साधु तिवारी ने अपने द्वारा लिखित एवं स्वरबद्ध भजन जब जिद पर आ गई पार्वती, समझाने पहुंचे सप्त ऋषि की लाइव प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति ने समारोह को भक्तिमय बना दिया और उपस्थितजनों ने तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। अतिथियों एवं प्रतिभाओं का किया गया सम्मान- कार्यक्रम में सभी सम्मानित प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र, पटका एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही समारोह में उपस्थित सम्मानित अतिथियों को भी स्मृति चिह्न भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर राजेंद्र दुबे खजूरी ने आभार प्रदर्शन करते हुए सभी अतिथियों, प्रतिभाओं, समाजजनों एवं आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। समारोह के उपरांत सभी उपस्थितजनों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में समाजजन रहे मौजूद पूरे कार्यक्रम में महिलाओं, बच्चों, परिजनों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। प्रतिभाओं के सम्मान से समारोह का वातावरण उत्साह और गौरव से भर गया। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन महेंद्र उपाध्याय एवं मणिका शर्मा ने किया। समारोह ने समाज की प्रतिभाओं को सम्मान देने के साथ-साथ शिक्षा, सेवा और विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने का प्रेरणादायी संदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

गणेश उत्सव पर पूजा-अर्चना कर प्रसाद बांटा

संभल क्यूँ न लिखूँ सच /। गणेश उत्सव के पावन पर्व पर मोहल्ला कोट पूर्वी स्थित मंदिर में भक्तजनों ने भगवान गणेश की विधि-विधान से

पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान पदमपति उपाध्याय, कंचन उपाध्याय, शक्तिनिधी, कृष्णा, शगुन सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

चामुंडा मंदिर में राधा स्वरूप में सजे बच्चों ने मोहा मन

सम्भल क्यूँ न लिखूँ सच / राधा अष्टमी के पावन पर्व पर चामुंडा मंदिर में राधा स्वरूप में सजे बच्चों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पर्व के अवसर पर सुबह से ही मंदिर में भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर राधा अष्टमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। आरती के बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।

गणेश उत्सव पर भक्तों ने की पूजा-अर्चना

मुरादाबाद क्यूँ न लिखूँ सच /। पीतल नगरी स्थित मंदिर में गणेश उत्सव के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके बाद आरती का आयोजन किया गया। आरती के उपरांत भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान मंदिर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक पर्व मनाया।

वृद्धजनों का आशीर्वाद लेकर तहसीलदार ने शुरू की जिम्मेदारी

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / नवागत तहसीलदार धीरेश ने

कार्यभार संभालने के बाद रविवार शाम ग्वारखेड़ा स्थित वृद्ध आश्रम पहुंचकर बुजुर्गों से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी की शुरुआत वृद्धजनों के आशीर्वाद से करना चाहते हैं, ताकि जनसेवा का कार्य मानवता और संवेदनशीलता के साथ कर सकें।इस दौरान उपजिलाधिकारी प्रिंस वर्मा भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने वृद्धजनों के लिए भोजन की व्यवस्था कराई और स्वयं भोजन परोसकर उन्हें कराया। वृद्ध आश्रम के संस्थापक रोहन देव सामाजिक ने अधिकारियों के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों का सम्मान और सेवा समाज की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर अधिकारियों ने बुजुर्गों की कुशलक्षेम भी जानी।

इकरा हसन बोलीं- 2027 में बनेगी सपा सरकार, भाजपा की नफरत की राजनीति का जवाब भाईचारे से देंगे

मेरठ के सरधना स्थित सेंट चार्ल्स इंटर कॉलेज में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम की स्मृति में विचार गोष्ठी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कैराना से सपा सांसद इकरा हसन ने भाजपा पर निशाना साधा। सरधना नगर के सेंट चार्ल्स इंटर कॉलेज में रविवार को पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की स्मृति में %विचार गोष्ठी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं कैराना से समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने युवाओं और छात्राओं में नया जोश भरा। उन्होंने देश के निर्माण में डॉ. कलाम के योगदान को याद करते हुए शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और वर्तमान राजनीतिक हालात पर विचार रखे। सांसद इकरा हसन ने कहा कि डॉ. कलाम एक बेहद साधारण परिवार से ताल्लुक रखते थे, लेकिन अपनी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर उन्होंने देश को परमाणु शक्ति संपन्न बनाया और नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। कलाम साहब के विचार को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि सपने वो नहीं होते जो सोते हुए देखे जाएं, बल्कि सपने वे होते हैं जो आपको सोने न दें। अगर युवा पूरी ईमानदारी से मेहनत करेंगे तो उनके सपने जरूर साकार होंगे। सदन में अधिक से अधिक पहुंचें महिलाएं, महिलाओं की राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी पर जोर देते हुए इकरा हसन ने कहा कि उत्तर प्रदेश से सदन (संसद-विधानसभा) तक पहुंचने वाली महिलाओं की तादाद बहुत कम है। उनकी दिली तमन्ना है कि आधी आबादी को उनका पूरा हक मिले और अधिक से अधिक महिलाएं सदन में जीतकर पहुंचे। उन्होंने कहा कि तालीम पर हमारा और आपका पहला अधिकार होना चाहिए, क्योंकि शिक्षा ही तरक्की का सबसे बड़ा जरिया है। साइकिल सिर्फ सवारी नहीं, हमारी सोच हैकार्यक्रम में छात्राओं को वितरित की जा रही साइकिलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि साइकिल सिर्फ एक सवारी नहीं बल्कि हमारी सोच है, यह हमें अपने दम पर आगे ले जाने वाली चाबी है। जैसे हम खुद पैडल मारकर अपनी मेहनत से साइकिल आगे बढ़ाते हैं, वैसे ही मेहनत के बल पर जीवन में भी आगे बढ़ना है।अतुल प्रधान की मेहनत को सराहा, 2027 में सरकार बनाने का आह्वान

सांसद ने स्थानीय विधायक अतुल प्रधान की तारीफ करते हुए कहा कि अतुल ने सरधना की सरजमीं को अपने खून-पसीने और मेहनत से सींचा है। अब जनता की जिम्मेदारी है कि वह उनकी इस मेहनत का फल उन्हें दे। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में अतुल प्रधान को भारी मतों से जिताने की अपील की। नफरत का जवाब भाईचारे से देंगे भाजपा पर सीधा हमला बोलते हुए इकरा हसन ने कहा कि भाजपा के नफरत भरे इरादों को हमें कभी कामयाब नहीं होने देना है। अगर ऐसे नफरती लोगों को आगे बढ़ने का मौका मिला तो आवाम का बड़ा नुकसान होगा। ये समाज में केवल नफरत फैलाते हैं, जिसका जवाब हम सभी को आपसी भाईचारे और एकजुटता से देना होगा। उन्होंने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने %पीडीए% (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का जो नारा दिया है, वही हमारी असली ताकत और पहचान है। अब वक्त आ गया है कि हम सब एकजुट होकर इस जनविरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लें। 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की ही सरकार बनेगी। सपा सरकार बनने पर लिया जाएगा हिसाब- अतुल प्रधान कार्यक्रम में इकरा हसन के साथ ही सपा के वरिष्ठ नेता जावेद आब्दी और प्रमुख समाजवादी चिंतक डॉ. लक्ष्मण यादव ने भी युवाओं का मार्गदर्शन किया। सरधना विधायक अतुल प्रधान ने कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर जुल्म करने वालों से हिसाब लिया जाएगा। थाना और तहसील स्तर पर भ्रष्टाचार को पांच दिन में खत्म किया जाएगा। अतुल ने अपने कार्यकाल में सरधना बिजलीघर, गंगनहर पटरी, मेरठ-करनाल फोरलेन और सरधना-नानू मार्ग से जुड़े विकास कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में सरकारी स्कूल बंद हुए और लोगों से रोजगार छीने गए। सरकारी जमीनों पर कब्जे किए गए, ऐसे कब्जे सपा की सरकार बनने पर हटाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुस्लिम बच्चियों समेत सभी छात्राओं को साइकिल मिलने से उनकी पढ़ाई की रफ्तार बढ़ेगी। दावा किया कि अब तक करीब 60 हजार छात्राओं को साइकिलें दी जा चुकी हैं। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोग, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

राग के काल में ज्ञान तो रहेगा ही, पर ज्ञान के काल में राग रहे यह जरूरी नहीं। यही भेद-विज्ञान है

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/श्री शीतलनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर किले अंदर में दसलक्षण धर्म के पांचवे दिन उत्तम सत्य दिवस मनाया गया।प्रवक्ता डॉ मक्खन लाल जैन ने बताया कि वीले पार्ले मुंबई से पधारे हमारे विद्वान पं संयम शास्त्री द्वारा समयसार नाटक ग्रंथ पर बहुत मार्मिक स्वाध्याय चल रहा है।पं संयम शास्त्री ने ग्रंथ वाचन पर बताया कि गुरुदेव कहते हैं कुंदकुंद आचार्य का समयसार 415 गाथाओं वाला परमागम है, इसके बिना आत्म-कल्याण नहीं। हम सब बाहर में व्रत, पूजा, उपवास को धर्म मानकर खुश हो जाते हैं, पर धर्म बाहर की क्रिया में नहीं है। उन्होंने व्यापार का उदाहरण दिया -

जैसे व्यापारी दुकान पर, घर पर, खाना खाते समय भी अंदर ही अंदर पैसा-नफा कैसे होगा इसी प्रयोजन में लगा रहता है, वैसे ही साधक को 24 घंटे एक ही प्रयोजन रखना चाहिए कि मैं आत्मा हूँ, शरीर, कर्म, धन, परिवार सब मुझसे भिन्न हैं। इसी का नाम भेद-विज्ञान है। शुरू में ये बात विकल्प रूप में बार-बार करनी पड़ेगी - मैं आत्मा हूँ। जैसे बच्चा पहली बार, लिखता है तो हाथ कांपता है, लाइन टेढ़ी होती है, पर रोज अभ्यास से वही हाथ सुधर जाता है और लिखावट पक्की हो जाती है। वैसे ही भेद-विज्ञान का अभ्यास करते-करते वह धारणा में बैठ जाता है और फिर निर्विकल्प आत्मानुभूति हो जाती है। इसलिए पूजा में, स्वाध्याय में जो शुभ राग उठता है, वह भी जड़ है, बंध का कारण है। धर्म क्रिया करने में नहीं, क्रिया में धर्म बुद्धि छोड़ने में है। राग के काल में ज्ञान तो रहेगा ही, पर ज्ञान के काल में राग रहे यह जरूरी नहीं। यही भेद-विज्ञान है।अंत में किसान का दृष्टांत - किसान को आम का फल चाहिए, पर वह फल को पानी नहीं देता, वह एक महीने तक जड़ को पानी देता है। फल अपने आप आ जाता है। वैसे ही फल है आत्मानुभूति, वीतरागता और जड़ है भेद-विज्ञान। तक मोह की चट्टान न टूटे, तब तक रोज अपनी आत्मा पर भेद-विज्ञान की शांतिधारा डालते रहो। जिसने ये कला पा ली उसकी मति सोने जैसी निर्दोष हो जाती है, उसमें कभी जंग नहीं लगती। सायंकालीन प्रवचन में उत्तम सत्य धर्म पर बताया कि सच बोलना व्यवहार सत्य है, निश्चय सत्य है -आत्मा को आत्मा और शरीर को शरीर जानना। हम शरीर को अपना मानकर जीवन भर झूठ में जीते हैं। शरीर जड़ है, नाशवान है और मैं ज्ञायक आत्मा अमर हूँ - इस भेद-विज्ञान में लीन होना ही उत्तम सत्य है।जो अपने स्वभाव में सच्चा है, उसकी वाणी में झूठ आ ही नहीं सकता। प्रवक्ता डॉ मक्खन लाल जैन ने बताया कि सायंकालीन भक्ति ,प्रवचन पश्चात बहुत ही सुंदर धार्मिक नाटक की प्रस्तुति पाठशाला के बच्चों के द्वारा दी गई।जिसमें काल के प्रभाव व मृत्यु की अनिश्चितता बताई ,ओर धर्म करने की बात बताई।आज रात्रि युवा फेडरेशन द्वारा भक्ति संध्या व भक्तामर का पाठ का विशेष आयोजन है।

मेरे सपनों का भारत' और 'नमो सेवा' के तहत जिलेभर में होंगी विविध गतिविधियां

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत जिले के शैक्षणिक संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं, चित्र प्रदर्शनियां, नुक्कड़ नाटक एवं संगीतमय नाट्य प्रस्तुतियां आयोजित की जा रही हैं। 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं तथा 'नमो सेवा (अनकही कहानियां)' के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। अभियान के तहत 21 सितंबर को नगरीय शासकीय विद्यालयों में ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता, 22 सितंबर को जिले की आईटीआई एवं शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेजों में तकनीकी नवाचारों पर निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता तथा 23 सितंबर को शासकीय महाविद्यालयों में प्रदर्शनी, ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिताएं होंगी। इसी क्रम में 24 सितंबर को शिवपुरी को छोड़कर जिले के अन्य सांदीपनि विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 26 सितंबर को सांदीपनि एवं सीएम राइज स्कूल शिवपुरी में स्थानीय एवं जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम होगा। 5 अक्टूबर तक होंगी नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुतियां- 'नमो सेवा' के तहत सेवा कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक एवं कला मंडलियों की प्रस्तुतियां 5 अक्टूबर तक विकासखंड मुख्यालयों, नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों, स्कूलों, कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित की जाएंगी। भवन में विशेष आयोजन अभियान के तहत 25 सितंबर को जिला मुख्यालय स्थित मानस भवन में नुक्कड़ नाटकों एवं संगीतमय नाट्य प्रस्तुतियों का विशेष मंचन किया जाएगा। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, अभिभावकों, स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

मैरिज हॉल संचालक पर जानलेवा हमला, तमंचे से फायरिंग का आरोप,रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। कस्बा के एक मैरिज हाल संचालक ने कुछ लोगों पर दुकान पर पहुंचकर अवैध 315 बोर तमंचा से फायर करके जानलेवा हमला और गाली-गलौज व मारपीट करने का आरोप लगाया है।

पीड़ित की तहरीर पर तीन पिता पुत्र समेत चार लोगों के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। कस्बा के मोहल्ला भिटौरा निवासी जतिन चौहान ने बताया शाही रोड पर उनका मैरिज हॉल और दुकान बनी है।शनिवार देर शाम को कस्बा के उमेश पाठक और उनके दोनों पुत्र तुष्येन्द्र पाठक, चमन पाठक, और उनके मोहल्ला भिटौरा निवासी आदित्य चौहान ने मैरिज हॉल पर पहुंचकर पहले गाली-गलौज, मारपीट की।

विरोध करने पर एक आरोपी ने जान से मारने की नीयत से 315 बोर के तमंचे से फायर कर दिया।लेकिन फायर नहीं चलने से पीड़ित बाल बाल बच गया। इसके बाद उसके साथ काम करने वाले लोगों के साथ भी मारपीट की गई।

आरोप है कि तुष्येंद्र पाठक ने शराब के नशे में उसके ऊपर हमला किया।

इससे पूर्व में भी कई बार अभद्रता कर चुके है। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करके जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।दोषी पाए जाने पर जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी करके जेल भेजा जाएगा।

किशोर की बेरहमी से पिटाई की वीडियो वायरल

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। कस्बा के मोहल्ला अंसारी में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला वीडियो सामने आया है। यहां 13 वर्षीय नाबालिग की बेरहमी से पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पिता पुत्र दो लोग मासूम किशोर को घेरकर गिराकर पीट रहे है।इस बाबत पीड़ित किशोर की मां बन्नो ने पुलिस से शिकायत की है।जिस पर पुलिस जांच कर रही है। बताया कि पेप्सी पीने के बाद बोतल घर के सामने नाली में फेंक देने से नाराज उसके 13 वर्षीय बेटे निजाम को मोहल्ले के ही बुन्दन और उसके बेटे गुड्डू ने पहले उससे फिल्मी स्टाइल में बोतल उठवाई।फिर कुछ देर बाद अचानक आकर उसे गिराकर खूब मारा पीटकर चोटिल कर दिया।जिसकी वीडियो बायरल होने पर हड़कंप मच गया।पीड़िता का आरोप है।शिकायत पर पुलिस ने दोनो को पकड़ा था।लेकिन एक सभासद की सिफारिश पर बगैर किसी कार्यवाही पर छोड़ दिया।जिससे पीड़ित दहशत में है। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया आपसे मामला जानकारी में आया है।जांच कराकर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

खेत पर गए अधेड़ को बंदर ने काटा, पीएचसी में इलाज

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती हरदत्त नगर गिरंट क्षेत्र के हड़हवा गांव निवासी बुधई यादव खेत की ओर शौच के लिए गए थे। इसी बीच एक बंदर ने काट लिया। इस पर बुधई यादव का इलाज पीएचसी गिरंट में कराया गया। बुधई यादव गिरंट क्षेत्र में अखबार का वितरण करते हैं। गिरंट क्षेत्र में बंदरों की भरमार है और आए दिन किसी न किसी को काट कर घायल कर देते हैं।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान हेतु तहसील एवं ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती । तहसील सभागार जमुनहा में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के संबंध में तहसील टास्क फोर्स (TTF) एवं ब्लॉक टास्क फोर्स (BTF) की संयुक्त बैठक उपजिलाधिकारी जमुनहा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जमुनहा द्वारा अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान में आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर भ्रमण कर बुखार के रोगियों, क्षय रोग के संभावित मरीजों, कुपोषित बच्चों को चिन्हित किया जाएगा तथा संचारी रोगों सेबचाव हेतु आमजन को जागरूक किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए उपजिलाधिकारी जमुनहा द्वारा कहा कि संचारी रोगों पर नियंत्रण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, कहीं भी विशेष संचारी रोग एवं दस्तक अभियान जल-जमाव न होने दें, साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें तथा अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाएं।बैठक के दौरान पंकज कुमार शर्मा सहित समस्त स्टाफ कर्मचारी उपस्थित रहे।

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा ग्राम सदाई पुरवा में मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा सीमा चौकी भरथा के कार्यक्षेत्र अंतर्गत ग्राम सदाई पुरवा में मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. कल्पना महादेव पाटील, सहायक कमांडेंट (चिकित्सा) एवं वाहिनी चिकित्सा टीम द्वारा 89 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। साथ ही, जरूरतमंद ग्रामीणों को आवश्यक दवाओं का निःशुल्क वितरण किया गया। चिकित्सा शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने सशस्त्र सीमा बल द्वारा आयोजित इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना की।

पंचायत उपचुनाव में मतदान केंद्रों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। त्रि-स्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 (पूर्वार्द्ध) के तहत मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने मतदान केंद्रों और मतगणना स्थलों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले के सभी मतदान केंद्रों एवं मतगणना स्थलों पर मतदान और मतगणना के दौरान बिजली व्यवस्था सुचारू बनी रहे। किसी भी प्रकार की स्थानीय विद्युत खराबी (लोकल फॉल्ट) होने पर उसे तत्काल दुरुस्त करने के लिए जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी आवश्यक उपकरण एवं सुधार किट के साथ मौके पर तैनात रहेंगे। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 29 सितंबर को मतदान होगा। पंच पदों की मतगणना मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद संबंधित मतदान केंद्र पर ही की जाएगी। वहीं 3 अक्टूबर और 5 अक्टूबर को सारणीकरण एवं निर्वाचन परिणामों की घोषणा निर्धारित है। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

These 5 first date mistakes will ruin your image. If you want to make a good impression, avoid these mistakes.

The first date determines your image in front of your partner. So avoid making certain mistakes during this time. The first date determines whether your relationship will continue. Avoid mentioning your ex-partner; focus on the present – partner. The excitement and nervousness of a first date are closely and make an impression. But sometimes, in our image. Here are some mistakes you should avoid on a yourself – Often, people get so engrossed in recounting their present. This can make you appear a little self-centered. want them to listen to you. Ask them questions and listen relationships or breakups on a first date is a major mistake. that you're emotionally unstable. Focus on the present and you're constantly checking your phone notifications or person. This gives the impression that you're not interested on the first date and put it in your pocket or bag. Your full about your salary, position, or lifestyle to enhance your When the truth comes out, your image is severely tarnished.

??instead of being lost in your phone, pay full attention to your unparalleled. It's a time when you try to get to know someone excitement or unknowingly, we make mistakes that can damage first date to help your relationship progress. Talking only about accomplishments and stories that they forget the other person is Therefore, listen to the other person as attentively as you would carefully to their answers. Discussing your ex - Bringing up past It sends the message that you haven't yet moved on from them or leave past matters for the future. Being lost in your phone - If typing messages during a date, you're disrespecting the other in the other person. Therefore, put your phone on silent mode attention should be on your partner. Showing off or lying - Lying image can prove costly. Relationships built on lies don't last long. So, be yourself. Speak about yourself simply and honestly. Be rude to others: You may be nice to your partner, but if you're rude to a waiter or parking attendant, your true nature is revealed. This reveals your ego and poor upbringing. Be polite to everyone. Your behavior defines your true identity.

Are you being crushed between your parents and children? How to Take Care of Yourself, the 'Sandwich Generation'

The Sandwich Generation is growing in numbers both in India and around the world. This generation faces both financial and mental stress. The Sandwich Generation cares for both children and elderly parents, pressure. Maintain balance planning. As the name generation between two every responsibility for their aging parents. This generation, responsibilities and often finds themselves. This impacts their this generation can balance fulfilling these responsibilities. generation: This generation, relationships with their they aren't getting enough same way. They lack time to hobbies nor to take time for breaks can lead to irritability or generations can often lead to can find a middle ground: you can't take a long break make a big difference. Don't incredibly stressful, and exacerbate the problem. So

facing stress, time constraints, and financial with small breaks, support, and financial suggests, the Sandwich Generation is a generations. They not only have to fulfill growing children but also care for their aged between 40 and 50, is crushed between it difficult to find time to take care of own health and career. So, let's explore how their mental and financial stress while Problems faced by the sandwich caring for their parents, may have strained partners or children. The spouse may feel attention, and the children may feel the focus on themselves, neither to pursue their themselves. Working continuously without depression. Meeting the needs of two office deadlines or demands. This is how you Micro-breaks are also appropriate: Even if throughout the day, even a few minutes can suppress your feelings: Caregiving is keeping your feelings bottled up can don't hesitate to share how you're feeling. Seek help from others: You can enlist the help of your siblings, close relatives, or friends. Build a strong support system and don't hesitate to reach out for help whenever needed. Set limits: Saying yes to everything can add to your stress. So, establish some rules and, if necessary, set boundaries. To ease the workload, delegate some tasks to your partner. Protect your financial health: Caregiving can put a strain on your finances. Some senior care programs can help ease this burden. You can also use budgeting tools to manage your expenses.

These 5 healthy and light breakfast options will keep your stomach cool and your body energized during the summer.

In the summer, oily and spicy food becomes difficult to digest. Therefore, it's best to eat something healthy and light for breakfast. Light and nutritious food should be eaten during the

summer. Dahi-Chura improves digestion and cools the body. Ragi Ambli keeps the body hydrated. As the heat increases, our digestive power decreases. The intense heat also reduces appetite. Eating oily and spicy food can lead to lethargy and heaviness. Therefore, in this season, everyone wants to eat something that will provide energy throughout the day and keep the stomach cool. To do this, you can prepare some breakfast dishes that will keep your digestion healthy and prevent fatigue throughout the day. Let's explore the perfect breakfast dishes for the summer season. Dahi-Chura is a favorite summer breakfast in homes in Bihar and Uttar Pradesh. Yogurt is rich in probiotics, which aid digestion and cool the body. Rice flour is a good source of carbohydrates that provides instant energy. Wash and soak rice flour, then add fresh yogurt and a little jaggery or sugar. Oats and Chia Pudding: If you want to avoid the morning rush, this breakfast is perfect for you. Oats are high in fiber, which keeps you full for a long time. Chia seeds are a good source of omega-3 fatty acids and hydration. Soak milk, oats, and chia seeds in a jar overnight and store it in the refrigerator. In the morning, add chopped fruits and dried fruits of your choice and eat. Mixed Vegetable Poha: Being light and easily digestible, poha is a favorite in every Indian kitchen. Poha is a good source of carbohydrates. Additionally, the peanuts and vegetables added to it are a good source of protein and vitamins. In the summer, you can increase the amount of lemon; it provides vitamin C and refreshes your mind. Ragi Ambli: This traditional South Indian drink is a superfood for summer. Ragi has a cooling effect and is rich in calcium. Cook ragi flour in water to form a thick paste. Once cooled, add buttermilk, a little salt, and finely chopped onions. This breakfast will keep you hydrated until noon. Moong Dal Chilla: If you're looking for a protein-rich breakfast, moong dal chilla is a great option. Moong dal is much lighter than other lentils and is easily digestible. Stuff it with paneer or grated vegetables and eat it with mint chutney. Mint helps keep the body naturally cool.

Rashmika Mandanna will play 'Amma' in the MS Subbulakshmi biopic, research on her life spanning 8 years.

A biopic on the legendary singer of Indian cinema, MS Subbulakshmi, is being made, starring Rashmika Mandanna in the lead role. However, the makers had to work very hard to bring her life story to the screen. Kamal Haasan launches MS Subbulakshmi biopic. Rashmika Mandanna will play the legendary singer 'Amma' - Gautham Tinnanuri conducted research before starting the singer's biopic. These days, one name is buzzing in the corridors of Bollywood and Indian cinema—MS Subbulakshmi! Considered one of India's greatest musical figures, whose resonant and sacred voice captivated music lovers worldwide for decades, her musical journey is now set to come alive on the big screen. The historic 'Music Academy' in Chennai will host a biopic on MS Subbulakshmi. This ambitious pan-India biopic was officially launched on the auspicious occasion of Amma's 110th birth anniversary. South cinema's legendary actor "Ulaganayagan" Kamal Haasan, who was the chief guest at the event, officially launched the film. Rashmika Mandanna will play Amma. The film's star cast and makers' combination has generated tremendous excitement among cinephiles and music lovers since its announcement. Instead of recreating Amma's timeless classical music, music sensation Anirudh Ravichander will bring a new dimension to Amma's life journey on screen with his modern and emotional music, starring Rashmika Mandanna in the lead role. "Jersey" fame Gowtam Tinnanuri will direct the film. During the launch of the film, which will be released pan-India, including in four major South Indian languages, Rashmika Mandanna was extremely emotional and excited about playing the iconic figure of M.S. Subbulakshmi. She said that standing on this stage was a divine experience for her. She would play this character with complete devotion, dedication, and devotion. Filmmakers Allu Arvind, Rakaline Venkatesh, and Bunny Vas revealed that seven to eight years of extensive research into M.S. Amma's life, her struggles, and achievements were conducted for this project. During this period, director Gowtam Tinnanuri spent the past year meeting people close to Amma's life and closely understanding her family journey. The film will not only be the story of a great singer, but also the story of a daughter, artist, and woman who dreamed big, made many sacrifices, and through discipline reached the heights of success. The launch event was attended by many renowned figures from the world of classical music and cinema, including Suhasini, Sivakumar, Samuthirakani, and M.S. Subbulakshmi Amma's grandson Chandrasekhar.

A juice-fueled cold war between Karisma Kapoor and Raveena Tandon ended. How the distance between them came about.

The cold war between Karisma Kapoor and Raveena Tandon on the sets of "Andaz Apna Apna" ended with a juice offer. It had long been rumored that Raveena Tandon and Karisma Kapoor had a fight on the sets of the 1994 film "Andaz Apna Apna." This discussion arose after Farah Khan's comment on an episode of "Koffee with Karan." The two actresses recently appeared together on Season 5 of Sony's "India's Best Dancer," where Karisma was a judge and Raveena was a special guest. The two reminisced about their time filming the 1994 comedy film "Andaz Apna Apna." They also revealed how the distance between them was bridged. When Harsh Limbachiyaa asked them about their memories of "Andaz Apna Apna," Raveena revealed that she couldn't control her laughter while shooting some of the film's most memorable scenes, and it was quite difficult for her. She explained, "If you notice carefully, I can see her laughing in a scene with Aamir Khan when he's talking to the kidnapper on the phone." A juice brought them together - Raveena also recalled that despite working together, she, Aamir, Salman Khan, and Karisma often didn't talk to each other. Yet, their love for the art helped them forget their differences. She recounted how one night during the shoot, she and Karisma were tied to a pole, saying, "It was dinner break, and we were still tied up. Everyone had planned to play a prank on us. Everyone went to eat, and we were left tied up alone." When they opened up, Raveena broke the silence and asked, "Would you like some juice?" Karisma replied, "Yes, I'm very hungry." This is where their conversation began. Where did the controversy begin? In 2007, on an episode of Koffee with Karan, Farah Khan revealed that Raveena and Karisma had their worst fight on the sets of the film "Aatish: Feel the Fire" (1994). She said, "A long time ago, I was shooting a song for the film "Aatish" with Karisma Kapoor and Raveena Tandon. They were having an argument. They were hitting each other with their wigs. One was hitting, the other was stomping on her heels. It was quite childish. I'm sure they'll laugh about it now." You can watch this episode of India's Best Dancer Season 5 on Sony Entertainment Television and the Sony Liv app.

Old crushes, sinful friends, and first love... Luv Ranjan's new film on "red flags" has been released.

Filmmaker Luv Ranjan has announced the release date for his upcoming film, "Pahla Pyar Doosri Baar." Having previously helmed rom-coms like "Pyaar Ka Punchnama," "De De Pyar De," and "Tu Jhoothi ??Main Makkar," Luv Ranjan is making a comeback with another rom-com. The announcement of his upcoming film, "Pahla Pyar Doosri Baar," has been made, and the cast has been revealed. Luv Ranjan announced his upcoming film, "Pahla Pyar Doosri Baar," on Thursday. He introduces a new cast with this film. The film stars Alisha Chopra, Sparsh Walia, Sakshi Vaidya, Sargun Kaur, Tushar Chhibber, and Kunal Vaidya. The release date has also been announced along with the release of the film's poster. The caption accompanying the post reads, "Old crushes, sinful friends, and first love... red flags, red flags all around." When will "Pehla Pyaar Doosri Baar" be released? The film is directed by Anuj Saini. The story is co-written by Luv Ranjan, Jehan Handa, and Anuj Saini. The film is scheduled to release in theaters on October 23rd. What will Luv Ranjan's film clash with? Currently, Luv Ranjan's film isn't competing with any major films. However, just a week before the film's release, films like "Ranbaali," "Prahar," and "Navya Naveli" are scheduled to release. In addition to Luv Ranjan's upcoming film "Pehla Pyaar Doosri Baar," Luv Ranjan is also making a biopic on former Indian cricket captain Sourav Ganguly, directed by Vikramaditya Motwane. The film stars Rajkummar Rao in the lead role. The film is expected to release in theaters next year.